आकाशवाणी श्री विजयपुरम

दिनांक : 08.06.2025 **समय : 0705**

- **प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास और समावेशी शासन के ग्यारह साल पूरे।**
- **केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा ने सुरक्षित और स्वास्थ्यवर्धक खानपान के लिए जागरूकता अभियान की शुरुआत की।**
- **मंत्रालय ने द्वीपों के पन्द्रह जेट्टियों के मरम्मत कार्य की दी स्वीकृति।**
- **भारत और थाईलैंड के बीच नौसेना अभ्यास की शुरूआत।**

<><><><><><><>

आज देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास और समावेशी शासन के ग्यारह साल पूरे होने का जश्न मना रहा है – राष्ट्रीय प्रगति के हर क्षेत्र में नारी शक्ति को सशक्त बनाने का एक दशक। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ से लेकर स्टैंड–अप इंडिया तक, वित्तीय समावेशन और डिजिटल कौशल से लेकर रक्षा, राजनीति और विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग, गणित और चिकित्सा–STEMM में प्रतिनिधित्व तक – इन ग्यारह वर्षों ने करोड़ों महिलाओं के लिए अवसर, सम्मान और नेतृत्व के नए क्षितिज खोले हैं। भारत ने उच्च शिक्षा, उद्यमिता और कार्यबल में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी देखी है। महिलाएं अब पायलट, वैज्ञानिक, कानून निर्माता, सैनिक – और हर स्तर पर बदलाव लाने वाली हैं। यह केवल सशक्तिकरण के बारे में नहीं है – यह भारत के विकास को उसकी बेटियों को सौंपने के बारे में है। #11YearsOfSashaktNari का उपयोग कर विकसित भारत की यात्रा को आकार देने वाली नारी शक्ति का सम्मान करने का आहवान किया गया है।

<><><><><><><>

केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा ने सुरक्षित और स्वास्थ्यवर्धक खानपान के माध्यम से मोटापा रोकने के, भारतीय खाद्य संरक्षा और मानक प्राधिकरण के, जागरूकता अभियान की शुरुआत की। यह अभियान कल बेंगलुरु में विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस समारोह के साथ आरंभ हुआ। केन्द्रीय मंत्री ने जोर देकर कहा कि एक स्वस्थ समाज से ही मजबूत राष्ट्र सुनिश्चित किया जा सकता है। इसके लिए लोगों को संतुलित आहार का सेवन करना होगा। सुरक्षित आहार चिंतन की शक्ति बढ़ाता है और यह उत्पादकता में सुधार करता है। केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने खाद्य तेलों के उपभोग में दस प्रतिशत की कमी का आह्वान किया है। श्री नड्डा ने डिब्बा बंद खानपान के बढ़ते उपभोग पर चिंता व्यक्त की। केन्द्रीय मंत्री ने बताया कि भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद के अध्ययन में पता चला है कि शहरी क्षेत्रों में मोटापे की समस्या उनतालीस प्रतिशत और ग्रामीण क्षेत्रों में तेईस प्रतिशत बढ़ गई है। उन्होंने बताया कि यदि हमने अपने खानपान की आदतों में बदलाव नहीं किया तो वर्ष दो हजार पचास तक भारत की एक तिहाई आबादी मोटापे से ग्रसित हो जाएगी। समारोह के दौरान केन्द्रीय मंत्री ने **ईट राइट** नामक एक पुस्तक का लोकार्पण किया, जो स्कूलों तथा रेलवे स्टेशनों पर बांटी जाएगी। उन्होंने बताया कि **नमक और चीनी बोर्ड** नमक और चीनी प्रयोग सीमित करने और वसा की मात्रा सत्ताईस से तीस ग्राम प्रतिदिन करने के बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए काम करेगा।

<><><><><><><>

अंडमान निकोबार द्वीपसमूह में बिगड़ते बंदरगाह बुनियादी ढांचे के पुनर्वास और बहाली की तत्काल आवश्यकता पर ध्यान देने के लिए सांसद बिष्णु पद रे ने केन्द्र सरकार की कार्रवाई का स्वागत किया है। इस संबंध में सांसद ने पिछले साल एक पत्र लिखा था। इसके जवाब में केन्द्रीय मंत्री सर्बानन्द सोनोवाल ने विभिन्न जेट्टी और घाटों की स्थिति पर चर्चा करने के लिए द्वीपसमूह के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक बुलाई थी। मंत्रालय ने प्रशासन को इन घाटों की मरम्मत का कार्य सौंपा है। क्षेत्र में पन्द्रह खतरनाक जेट्टी और घाटों की पहचान की गई, जिन पर शीघ्र कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। इन पन्द्रह जेट्टी के नाम इस प्रकार है– हैडो घाट, वर्फ नम्बर एक से चार, चाथम घाट, होपटाउन घाट (पुराना), वाइपर जेट्टी, बम्बूफ्लाट जेट्टी, नेताजी सुभाषचन्द्र बोस जेट्टी, चाथम में वाहन फेरी जेट्टी डंडस प्वाइंट जेट्टी, शहीद द्वीप पुराना जेट्टी, फिनिक्स बे जेट्टी, येराटा जेट्टी, मायाबंदर घाट, ईस्ट आइलैंड जेट्टी, रंगत बे जेट्टी, कमोर्टा जेट्टी।

<><><><><><><>

हर दो साल में आयोजित होने वाला भारत और थाईलैंड के बीच नौसेना अभ्यास छः जून को श्री विजयपुरम में शुरू हुआ। इस अभ्यास का उद्देश्य दोनों नौसेनाओं के बीच समुद्री सहयोग, आपसी समझ को मजबूत करना है। अभ्यास के इस उनतालीसवें संस्करण में भारतीय नौसेना के अपतटीय गश्ती को आई एन एस सरयू, लैंडिंग क्राफ्ट यूटिलिटी एंड 54 और रॉयल थाई नौसेना की ओर से एच टी एम एस क्रावी के साथ–साथ दोनों पक्षों के समुद्री गश्ती विमान भाग ले रहे हैं। तीसरे नौसेना क्षेत्र के कमांडर वाइस एडमिरल सुअत डोनसाकुल के नेतृत्व में रॉयल थाई नौसेना का एक प्रतिनिधिमंडल इस अभ्यास के लिए श्री विजयपुरम में है,

जिसमें अंडमान सागर में संयुक्त अभ्यास शामिल होगा और थाईलैंड के फुकेट में इसका समापन होगा। गतिविधियों में अंतर्राष्ट्रीय समुद्री रेखा पर गश्त, गन फायरिंग, संचार अभ्यास और समुद्री अवरोध अभ्यास शामिल हैं। क्रॉस डेक दौरे के आदान–प्रदान की भी योजना बनाई गई है। कोरपैट भारत और थाईलैंड के बीच बढ़ती रणनीतिक साझेदारी को दर्शाती है और हिंद–प्रशांत क्षेत्र में शांति और स्थिरता के लिए संयुक्त रूप से प्रतिबद्ध है।

<><><><><><><><>

अंडमान निकोबार कमान ने समुद्री सुरक्षा के प्रति अपने अटूट संकल्प का प्रदर्शन करते हुए एक संभावित आपदा को टाल दिया। दरअसल, एक जून दो हजार पच्चीस को सूचना मिली कि समुद्री बचाव समन्वय केन्द्र, श्री विजयपुरम के मर्चेंट वेसेल फोकेट, जिसमें चौदह चालक दल के सदस्य सवार थे, इंजन में खराबी के कारण क्षेत्र में बह रहा है। यह वेसेल थाईलैंड से यू ए ई जा रहा था। इसी दौरान इसकी मशीनरी में खराबी आ गई। निकोबार द्वीपसमूह के दक्षिण–पश्चिम हिस्से में यह वेसेल अंडमान निकोबार द्वीपसमूह की ओर बहने लगा, जिससे इन पारिस्थितक रूप से संवेदनशील द्वीपों के लिए गंभीर खतरा पैदा हो गया। अंडमान निकोबार कमान ने श्री विजयपुरम स्थित तटरक्षक क्षेत्रीय मुख्यालय को निरंतर हवाई निगरानी के माध्यम से भटकते जहाज पर नज़र रखने का निर्देश दिया समुद्र की खराब स्थिति और मौसम की चुनौतिपूर्ण स्थिति का सामना करने के लिए आई सी जी जहाज ने बेहतरीन समुद्री कौशल और व्यावसायिकता का प्रदर्शन किया।

<><><><><><><><>

भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला और तीन अन्य अंतरिक्ष यात्री मंगलवार को फ्लोरिडा में नासा के कैनेडी अंतरिक्ष केंद्र से एक्सिओम स्पेस की चौथी मानव अंतरिक्ष उड़ान पर रवाना होंगे। लगभग अट्ठाईस घंटे की यात्रा के बाद बुधवार की रात करीब दस बजे वे अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन–आई.एस.एस. पर उतरेंगे। अक्सिओम–4 (एक्स4) वाणिज्यिक मिशन के मिशन पायलट के रूप में सेवारत शुभांशु शुक्ला, हंगरी के मिशन कमांडर पैगी व्हिटसन और विशेषज्ञ टिबोर कापू और पोलैंड के स्लावोज़ के साथ होंगे। एक्सिओम–4 मिशन उन्नीस सौ चौरासी में रूस के सोयुज मिशन पर राकेश शर्मा की ऐतिहासिक अंतरिक्ष उड़ान के इकतालीस साल बाद अंतरिक्ष में भारत की वापसी का प्रतीक है। शुभांशु शुक्ला नासा के सहयोग से भारतीय इसरो और जैव प्रौद्योगिकी विभाग के बीच सहयोग के तहत विकसित विशेष खाद्य और पोषण संबंधी प्रयोगों का संचालन करने के लिए तैयार हैं।

<><><><><><><><>

अंडमान लोक निर्माण विभाग की ओर से अंडमान लॉ कॉलेज के सामने कलवर्ट के निर्माण कार्य के चलते आज श्री विजयपुरम के अधिकांश भागों में बिजली की आपूर्ति बाधित रहेगी। कटौती सुबह आठ बजे से शाम चार बजे तक होगी।

<><><><><><><><>